

होसीअ

?????????? ??

होसीअ की किताब के अक्सर पैगामात होसीअ के ज़रीए बोले गए थे। हम नहीं जानते कि उन्हें उस ने खुद लिखे पर इतना जानते हैं कि उसके कलाम को ग़ालिबन उस के शागिरदों ने जमा किया जो इस बात के कायल थे कि होसीअ खुदा की तरफ़ से बोलता था। होसीअ के नाम का मतलब है 'नजात' इस के अलावा किसी और नबी से ज़्यादा होसीअ नज़दीकी से अपनी शख़्सी ज़िन्दगी के साथ अपने पैगामात से जुड़ा हुआ था। एक औरत से शादी करने के ज़रिए वह जानता था कि वह आख़िर — ए — कार अपना भरोसा खो देगा, और अपने बच्चों को नाम रखने के ज़रीये अदालत के पैगामात को इस्राईल पर लाएगा। होसीअ का नबुव्वती कलाम उस के ख़ान्दान की ज़िन्दगी से बह निकला।

????? ???? ? ? ???? ? ? ?

इसके तस्नीफ़ की तारीख़ तक्रीबन 750 - 710 ई. पू. के बीच है।

होसीअ नबी के पैगामात जमा किए गए तालीफ़ व तर्तीब दिए गये और फिर नक़ल किए गये। यह साफ़ नहीं है कि यह तरीक़ — ए — अमल कब तकमील तक पहुंचा था। मगर ग़ालिबन यह समझा जाता है कि यरूशलेम की बर्बादी से पहले यह काम पूरा हुआ था।

?????? ???? ???? ?

होसीअ के जुबानी पैगामात के नाज़रीन व सामईन शुमाली इस्राईल के लोग रहे होंगे। जब उन्होंने उन पैगामात को सुन लिया तो एक नबुव्वती अदालत की तंबीह या बाइस — ए —

इब्रत बतौर, एक तौबा की बुलाहट के लिए और बहाली के लिए एक वायदा बतौर था।

???? ???? ?

होसीअ ने इस किताब को बनी इस्राईल और मौजूदा ईमानदारों को यह याद दिलाने के लिए लिखा कि खुदा को हमारी वफ़ादारी की ज़रूरत है। कि यहवे ही एक सच्चा खुदा है और वह बेतकसीम वफ़ादारी की मांग करता है। गुनाह अदालत ले आता है होसीअ ने दर्दनाक अंजाम से दखल अंदाज़ी और गुलामी की बाबत खबरदार कराया खुदा इंसानों जैसा नहीं कि एक वफ़ादारी का वायदा करे और फिर उसे तोड़ दे। बनी इस्राईल की बेवफ़ाई और फ़रेब के बावजूद भी खुदा की मुहब्बत उनके लिए जारी रही और उन की बहाली के लिए एक रास्ता मुहय्या किया। होसीअ और गोमेर की शादी की अलामत बतौर पेशकश के ज़रिए बुतपरस्त क्रौम बनी इस्राईल के लिए खुदा की मुहब्बत का किरदार गुनाह, अदालत और बख़शिश के प्यार के मुआमले में एक शान्दार मजाज़ पेश करता है।

??????

बे — वफ़ाई

बैरूनी खाका

1. होसी की बे — ईमान (बे — एत्काद) बीवी — 1:1-11
2. खुदा की सज़ा और इस्राईल का इन्साफ़ — 2:1-23
3. खुदा अपने लोगों को छुटकारा देता है — 3:1-5
4. इस्राईल की बे — वफ़ाई और सज़ा — 4:1-10:15
5. खुदा की मुहब्बत और इस्राईल की बहाली — 11:1-14:9

1 शाहान — ए — यहूदाह उज़्ज़ियाह और यूताम और आख़ज़ और हिज़क्रियाह और शाह ए — इस्राईल युरब'आम — बिन — यूआस के दिनों में खुदावन्द का कलाम होसे'अ — बिन — बैरी पर नाज़िल हुआ।

१११११ १ ११ ११११ १११११

2 जब खुदावन्द ने शुरू में होसे'अ के ज़रिए कलाम किया, तो उसको फ़रमाया, “जा, एक बदकार बीवी और बदकारी की औलाद अपने लिए ले, क्योंकि मुल्क ने खुदावन्द को छोड़कर बड़ी बदकारी की है।”

3 तब उसने जाकर जुमर बिनत दिबलाईम को लिया; वह हामिला हुई, और बेटा पैदा हुआ।

4 और खुदावन्द ने उसे कहा, उसका नाम यज़र'एल रख, क्योंकि मैं 'अनक़रीब ही याहू के घराने से यज़र'एल के खून का बदला लूँगा, और इस्राईल के घराने की सल्तनत को खत्म करूँगा।

5 और उसी वक़्त यज़र'एल की वादी में इस्राईल की कमान तोड़ूँगा।

6 वह फिर हामिला हुई, और बेटी पैदा हुई। और खुदावन्द ने उसे फ़रमाया, कि “उसका नाम लूरहामा रख, क्योंकि मैं इस्राईल के घराने पर फिर रहम न करूँगा कि उनको मु'आफ़ करूँ।

7 लेकिन यहूदाह के घराने पर रहम करूँगा, और मैं खुदावन्द उनका खुदा उनको रिहाई दूँगा और उनको कमान और तलवार और लड़ाई और घोड़ों और सवारों के वसीले से नहीं छुड़ाऊँगा।”

8 और लूरहामा का दूध छुड़ाने के बाद, वह फिर हामिला हुई और बेटा पैदा हुआ।

9 और उसने फ़रमाया, कि उसका नाम लो'अम्मी रख; क्योंकि तुम मेरे लोग नहीं हो, और मैं तुम्हारा नहीं हूँगा।

10 तोभी बनी — इस्राईल दरिया की रेत की तरह बेशुमार — ओ — बेक्रियास होंगे, और जहाँ उनसे ये कहा जाता था, तुम मेरे लोग नहीं हो, ज़िन्दा खुदा के फ़र्ज़न्द कहलाएँगे।

11 और बनी यहूदाह और बनी — इस्राईल आपस में एक होंगे, और अपने लिए एक ही सरदार मुक़रर करेंगे। और इस मुल्क से

खुरूज करेंगे, क्योंकि यज़र'एल का दिन 'अज़ीम होगा।

2

1 अपने भाइयों से 'अम्मी कहो, और अपनी बहनों से रुहामा।

?????? ???? ?? ????????

2 तुम अपनी माँ से हुज्जत करो — क्योंकि न वह मेरी बीवी है, और न मैं उसका शौहर हूँ — वह अपनी बदकारी अपने सामने से, अपनी ज़िनाकारी अपने पिस्तानों से दूर करे;

3 ऐसा न हो कि मैं उसे बेपर्दा करूँ, और उस तरह डाल दूँ जिस तरह वह अपनी पैदाइश के दिन थी, और उसको बियाबान और खुशक ज़मीन की तरह बना कर प्यास से मार डालूँ।

4 मैं उसके बच्चों पर रहम न करूँगा, क्योंकि वह हलालज़ादे नहीं हैं।

5 उनकी माँ ने धोखा किया; उनकी वालिदा ने रूस्याही की। क्योंकि उसने कहा, 'मैं अपने यारों के पीछे जाऊँगी, जो मुझ को रोटी — पानी और ऊनी, और कतानी कपड़े और रौगन — ओ — शरबत देते हैं।

6 इसलिए देखो, मैं उसकी राह काँटों से बन्द करूँगा, और उसके सामने दीवार बना दूँगा, ताकि उसे रास्ता न मिले।

7 और वह अपने यारों के पीछे जाएगी, पर उनसे जा न मिलेगी; और उनको ढूँडेगी पर न पाएगी। तब वह कहेगी, 'मैं अपने पहले शौहर के पास वापस जाऊँगी, क्योंकि मेरी वह हालत अब से बेहतर थी।

8 क्योंकि उसने न जाना कि मैं ने ही उसे ग़ल्ला — ओ — मय और रौगन दिया, और सोने चाँदी की फिरवानी बरख़्शी जिसको उन्होंने बा'ल पर खर्च किया

9 इसलिए मैं अपना ग़ल्ला फ़सल के वक्रत, और अपनी मय को उसके मौसम में वापस ले लूँगा, और अपने ऊनी और कतानी कपड़े जो उसकी सत्रपोशी करते हैं, छीन लूँगा।

10 अब मैं उसकी फ्राहिशागरी उसके यारों के सामने फ्राश करूँगा, और कोई उसको मेरे हाथ से नहीं छुड़ाएगा।

11 अलावा इसके मैं उसकी तमाम खुशियों, और ज़शनो और नए चाँद और सबत के दिनों और तमाम मु'अय्यन 'ईदों को खत्म करूँगा।

12 और मैं उसके अंगूर और अंजीर के दरख्तों को, जिनके बारे में उसने कहा है, 'ये मेरी उजरत है, जो मेरे यारों ने मुझे दी है,' बर्बाद करूँगा और उनको जंगल बनाऊँगा, और जंगली जानवर उनको खाएँगे।

13 और खुदावन्द फ़रमाता है, मैं उसे बा'लीम के दिनों के लिए सज़ा दूँगा जिनमें उसने उनके लिए खुशबू जलाई, जब वह बालियों और ज़ेवरों से आरास्ता होकर अपने यारों के पीछे गई, और मुझे भूल गई।

14 तोभी मैं उसे फ़रेफ़ता कर लूँगा, और बियावान में लाकर, उससे तसल्ली की बातें कहूँगा।

15 और वहाँ से उसके ताकिस्तान उसे दूँगा, और 'अकूर की वादी भी, ताकि वह उम्मीद का दरवाज़ा हो, और वह वहाँ गाया करेगी जैसे अपनी जवानी के दिनों में, और मुल्क — ए — मिस्र से निकल आने के दिनों में गाया करती थी

16 और खुदावन्द फ़रमाता है, तब वह मुझे ईशी कहेगी और फिर बाली न कहेगी।

17 क्योंकि मैं बा'लीम के नाम उसके मुँह से दूर करूँगा, और फिर कभी उनका नाम न लिया जाएगा।

18 तब मैं उनके लिए जंगली जानवरों, और हवा के परिन्दों, और ज़मीन पर रेंगने वालों से 'अहद करूँगा; और कमान और तलवार और लड़ाई को मुल्क से नेस्त करूँगा, और लोगों को अम्न — ओ — अमान से लेटने का मौक़ा दूँगा।

19 और तुझे अपनी अबदी नामज़द करूँगा। हाँ, तुझे सदाक़त और 'अदालत और शफ़क़त — ओ — रहमत से अपनी नामज़द

करूँगा।

20 मैं तुझे वफ़ादारी से अपनी नामज़द बनाऊँगा और तू खुदावन्द को पहचानेगी।

21 “और उस वक़्त मैं सुनूँगा, खुदावन्द फ़रमाता है, मैं आसमान की सुनूँगा और आसमान ज़मीन की सुनेगा;

22 और ज़मीन अनाज और मय और तेल की सुनेगी, और वह यज़र'एल की सुनेंगे;

23 और मैं उसको उस सरज़मीन में अपने लिए बोऊँगा। और लूरहामा पर रहम करूँगा, और लो'अम्मी से कहूँगा, 'तुम मेरे लोग हो; और वह कहेंगे, 'ऐ हमारे खुदा।”

3

ⓂⓂⓂⓂⓂⓂ ⓂⓂ ⓂⓂⓂⓂⓂⓂ ⓂⓂ ⓂⓂⓂⓂⓂⓂⓂⓂ

1 खुदावन्द ने मुझे फ़रमाया, जा, उस 'औरत से जो अपने यार की प्यारी और बदकार है, मुहब्बत रख; जिस तरह कि खुदावन्द बनी — इस्राईल से जो ग़ैर — मा'बूदों पर निगाह करते हैं और किशमिश के कुल्चे चाहते हैं, मुहब्बत रखता है।

2 इसलिए, मैंने उसे पन्द्रह रुपये और डेढ़ खोमर जौ देकर अपने लिए मोल लिया।

3 और उसे कहा, तू मुद्दत — ए — दराज़ तक मुझ पर क़ना'अत करेगी, और हरामकारी से बाज़ रहेगी और किसी दूसरे की बीवी न बनेगी, और मैं भी तेरे लिए यूँ ही रहूँगा।

4 क्यूँकि बनी — इस्राईल बहुत दिनों तक बादशाह और हाकिम और कुर्बानी और सुतून और अफ़ूद और तिराफ़ीम के बग़ैर रहेंगे।

5 इसके बाद बनी — इस्राईल रुजू' लाएँगे, और खुदावन्द अपने खुदा को और अपने बादशाह दाऊद को ढूँडेंगे और आख़िरी दिनों में डरते हुए खुदावन्द और उसकी मेहरबानी के तालिब होंगे।

4

?????? ?? ?????????? ?? ?????????? ???????

1 ऐ बनी इस्राईल खुदावन्द का कलाम सुनों क्यूँकि इस मुल्क में रहने वालों से खुदावन्द का झगडा है; क्यूँकि ये मुल्क रास्ती — ओ — शफ़क़त, और खुदाशनासी से खाली है।

2 बदज़बानी वा'दा ख़िलाफ़ी और ख़ुरेज़ी और चोरी और हरामकारी के अलावा और कुछ नहीं होता; वह जुल्म करते हैं, और खून पर खून होता है।

3 इसलिए मुल्क मातम करेगा, और उसके तमाम रहने वाले जंगली जानवरों, और हवा के परिन्दों के साथ नातवाँ हो जाएँगे; बल्कि समन्दर की मछलियाँ भी ग़ायब हो जाएँगी।

4 तोभी कोई दूसरे के साथ बहस न करे, और न कोई उसे इल्ज़ाम दे; क्यूँकि तेरे लोग उनकी तरह हैं, जो काहिन से बहस करते हैं।

5 इसलिए तू दिन को गिर पड़ेगा, और तेरे साथ नबी भी रात को गिरेगा; और मैं तेरी माँ को तबाह करूँगा।

6 मेरे लोग 'अदम — ए — मा'रिफ़त से हलाक हुए; चूँकि तू ने ज़रिए' को रद्द किया, इसलिए मैं भी तुझे रद्द करूँगा ताकि तू मेरे सामने काहिन न हो; और चूँकि तू अपने खुदा की शरी'अत को भूल गया है, इसलिए मैं भी तेरी औलाद को भूल जाऊँगा।

7 जैसे जैसे वह बडते गए, मेरे ख़िलाफ़ ज़्यादा गुनाह करने लगे; फिर मैं उनकी हश्मत को रुस्वाई से बदल डालूँगा।

8 वह मेरे लोगों के गुनाह पर गुज़रान करते हैं; और उनकी बदकिरदारी के आरज़ूमंद हैं।

9 फिर जैसा लोगों का हाल, वैसा ही काहिनों का हाल होगा; मैं उनके चालचलन की सज़ा और उनके 'आमाल का बदला उनको दूँगा।

10 चूँकि उनको खुदावन्द का खयाल नहीं, इसलिए वह खाएँगे, पर आसूदा न होंगे; वह बदकारी करेंगे, लेकिन ज़्यादा न होंगे।

11 बदकारी और मय और नई मय से बसीरत जाती रहती है।

12 मेरे लोग अपने काठ के पुतले से सवाल करते हैं उनकी लाठी उनको जवाब देती है। क्यूँकि बदकारी की रूह ने उनको गुमराह किया है, और अपने खुदा की पनाह को छोड़ कर बदकारी करते हैं।

13 पहाड़ों की चोटियों पर वह कुर्बानियाँ और टीलों पर और बलूत — ओ — चिनार — ओ — बतम के नीचे खुशबू जलाते हैं, क्यूँकि उनका साया अच्छा है। पस बहू बेटियाँ बदकारी करती हैं।

14 जब तुम्हारी बहू बेटियाँ बदकारी करेंगी, तो मैं उनको सज़ा नहीं दूँगा; क्यूँकि वह आप ही बदकारों के साथ खिखिल्वत में जाते हैं, और कस्बियों के साथ कुर्बानियाँ गुज़रानते हैं। तब जो लोग 'अक़ल से ख़ाली हैं, बर्बाद किए जाएँगे।

15 ऐ इस्राईल, अगरचे तू बदकारी करे, तोभी ऐसा न हो कि यहूदाह भी गुनहगार हो। तुम जिल्लाल में न आओ और बैतआवन पर न जाओ, और खुदावन्द की हयात की क़सम न खाओ।

16 क्यूँकि इस्राईल ने सरकश बछिया की तरह सरकशी की है; क्या अब खुदावन्द उनको कुशादा जगह में बरें की तरह चराएगा?

17 इफ़्राईम बुतों से मिल गया है; उसे छोड़ दो।

18 वह मयख्वारी से सेर होकर बदकारी में मशगूल होते हैं; उसके हाकिम रुस्वाई दोस्त हैं।

19 हवा ने उसे अपने दामन में उठा लिया, वह अपनी कुर्बानियों से शर्मिन्दा होंगे।

२२२२२२२२ २२ २२२२२२२२ २२ २२२२२२२२ २२२२

1 ऐ काहिनो, ये बात सुनो! ऐ बनी — इस्राईल, कान लगाओ! ऐ बादशाह के घराने, सुनो! इसलिए कि फ़तवा तुम पर है; क्योंकि तुम मिस्रफ़ाह में फंदा और तबूर पर दाम बने हो।

2 बागी ख़ूरेज़ी में गर्क हैं, लेकिन मैं उन सब की तादीब करूँगा।

3 मैं इफ़्राईम को जानता हूँ, और इस्राईल भी मुझ से छिपा नहीं; क्योंकि ऐ इफ़्राईम, तू ने बदकारी की है; इस्राईल नापाक हुआ।

4 उनके 'आमाल उनको खुदा की तरफ़ रुजू' नहीं होने देते क्योंकि बदकारी की रूह उनमें मौजूद है और खुदावन्द को नहीं जानते।

5 और फ़रख़ — ए — इस्राईल उनके मुँह पर गवाही देता है, और इस्राईल और इफ़्राईम अपनी बदकिरदारी में गिरेंगे, और यहूदाह भी उनके साथ गिरेगा।

6 वह अपने रेवड़ों और गल्लों के वसीले से खुदावन्द के तालिब होंगे, लेकिन उसको न पाएँगे; वह उनसे दूर हो गया है।

7 उन्होंने खुदावन्द के साथ बेवफ़ाई की, क्योंकि उनसे अजनबी बच्चे पैदा हुए। अब एक महीने का 'अर्सा उनकी जायदाद के साथ उनको खा जाएगा।

8 जब 'आ में कर्ना फूँको और रामा में तुरही। बैतआवन में ललकारो, कि ऐ बिनयमीन, खबरदार पीछे देख!

9 तादीब के दिन इफ़्राईम वीरान होगा। जो कुछ यक्रीनन होने वाला है मैंने इस्राईली कबीलों को जता दिया है।

10 यहूदाह के 'उमरा सरहदों को सरकाने वालों की तरह है। मैं उन पर अपना क्रहर पानी की तरह उँडेलूँगा।

11 इफ़्राईम मज़लूम और फ़तवे से दबा है क्योंकि उसने पैरवी पर सब्र किया।

12 तब मैं इफ़्राईम के लिए कीड़ा हूँगा और यहूदाह के घराने के लिए घुन।

13 जब इफ्राईम ने अपनी बीमारी और यहूदाह ने अपने ज़ख्म को देखा तो इफ्राईम असूर को गया और उस मुखालिफ़ बादशाह को दा'वत दी लेकिन वह न तो तुम को शिफ़ा दे सकता है और न तुम्हारे ज़ख्म का 'इलाज कर सकता है।

14 क्योंकि मैं इफ्राईम के लिए शेर — ए — बबर और बनी यहूदाह के लिए जवान शेर की तरह हूँगा। मैं हाँ मैं ही फाड़ूँगा और चला जाऊँगा। मैं उठा ले जाऊँगा और कोई छुड़ाने वाला न होगा।

15 मैं खाना हूँगा और अपने घर को चला जाऊँगा जब तक कि वह अपने गुनाहों का इकरार करके मेरे चहरे के तालिब न हों। वह अपनी मुसीबत में बड़ी सर गर्मी से मेरे तालिब होंगे।

6

???? ???? ?? ?????

1 आओ खुदावन्द की तरफ़ रुजू' करें क्योंकि उसी ने फाड़ा है और वही हम को शिफ़ा बख़्शेगा। उसी ने मारा है और वही हमारी मरहम पट्टी करेगा।

2 वह दो दिन के बाद हम को हयात — ए — ताज़ा बख़्शेगा और तीसरे दिन उठा खड़ा करेगा और हम उसके सामने ज़िन्दगी बसर करेंगे।

3 आओ हम दरियाफ़्त करें और खुदावन्द के 'इरफ़ान में तरक़्की करें। उसका ज़हूर सुबह की तरह यक़ीनी है और वह हमारे पास बरसात की तरह या'नी आख़िरी बरसात की तरह जो ज़मीन को सेराब करती है, आएगा।

4 ए इफ्राईम मैं तुझ से क्या करूँ? ऐ यहूदाह मैं तुझ से क्या करूँ? क्योंकि तुम्हारी नेकी सुबह के बादल और शबनम की तरह जल्द जाती रहती है।

5 इसलिए मैंने उनके नबियों के वसीले से काट डाला और अपने कलाम से क्रत्ल किया है और मेरा 'अद्ल नूर की तरह चमकता है।

6 क्योंकि मैं कुर्बानी नहीं बल्कि रहम पसन्द करता हूँ और खुदा शनासी को सोख्तनी कुर्बानियों से ज़्यादा चाहता हूँ।

7 लेकिन लोगों वह अहद शिकन आदम के सामने तोड़ दिया: उन्होंने वहाँ मुझ से बेवफ़ाई की है।

8 जिलआ'द बदकिरदारी की बस्ती है। वह खूनआलूदा है।

9 जिस तरह के रहज़नों के गोल किसी आदमी की धोखे में बैठते हैं उसी तरह काहिनों की गिरोह सिकम की राह में क्रत्ल करती है, हाँ उन्होंने बदकारी की है।

10 मैंने इस्राईल के घराने में एक खतरनाक चीज़ देखी। इफ़्राईम में बदकारी पाई जाती है और इस्राईल नापाक हो गया।

11 ऐ यहूदाह तेरे लिए भी कटाई का वक़्त मुकर्रर है जब मैं अपने लोगों को गुलामी से वापस लाऊँगा

7

ⓂⓂⓂ ⓂⓂ ⓂⓂⓂⓂ ⓂⓂⓂⓂⓂⓂⓂⓂ ⓂⓂ ⓂⓂⓂⓂⓂⓂ

1 जब मैं इस्राईल को शिफ़ा बख़्शने को था तो इफ़्राईम की बदकिरदारी और सामरिया की शरारत ज़ाहिर हुई क्योंकि वह दगा करते हैं। अन्दर चोर घुस आए हैं और बाहर डाकुओं का गोल लूट रहा है।

2 वह ये नहीं सोचते के मुझे उनकी सारी शरारत मा'लूम है। अब उनके 'आमाल ने जो मुझ पर ज़ाहिर हैं उनको घेर लिया है।

3 वह बादशाह को अपनी शरारत और उमरा को दरोज़ गोई से खुश करते हैं।

4 वह सब के सब बदकार हैं। वह उस तनूर की तरह हैं जिसको नानबाई गर्म करता है और आटा गूंधने के वक़्त से खमीर उठने तक आग भड़काने से बाज़ रहता है।

5 हमारे बादशाह के ज़श्न के दिन उमरा तो गर्मी — ए — मय से बीमार हुए और वह ठठ्ठाबाज़ों के साथ बेतकल्लुफ़ हुआ।

6 धोखे में बैठे उनके दिल तनूर की तरह हैं। उनका क्रहर रात भर सुलगता रहता है। वह सुबह के वक़्त आग की तरह भड़कता है।

7 वह सब के सब तनूर की तरह दहकते हैं और अपने क्राज़ियों को खा जाते हैं। उनके सब बादशाह मारे गए। उनमें कोई न रहा जो मुझ से दुआ करे।

8 इफ़्राईम दूसरे लोगों से मिल जुल गया। इफ़्राईम एक चपाती है जो उलटाई न गई।

9 अजनबी उसकी तवानाई को निगल गए और उसकी खबर नहीं और बाल सफ़ेद होने लगे पर वह बेखबर है।

10 और फ़ख़ — ए — इस्राईल उसके मुँह पर गवाही देता है तोभी वह खुदावन्द अपने खुदा की तरफ़ रुजू नहीं लाए और बावजूद इस सब के उसके तालिब नहीं हुए।

11 इफ़्राईम बेवकूफ़ — ओ — नासमझ फ़ारख़ता है वह मिस्र की दुहाई देते और असूर को जाते हैं।

12 जब वह जाएँगे तो मैं उन पर अपना जाल फैला दूँगा। उनकी हवा के परिन्दों की तरह नीचे उतारूँगा और जैसा उनकी जमा'अत सुन चुकी है उनकी तादीब करूँगा।

13 उन पर अफ़सोस क्यूँकि वह मुझ से आवारा हो गए, वह बर्बाद हों क्यूँकि वह मुझ से बागी हुए। अगरचे मैं उनका फ़िदिया देना चाहता हूँ वह मेरे खिलाफ़ दरोज़ा गोई करते हैं।

14 और वह हुज़ूर — ए — क़ल्ब के साथ मुझ से फ़रियाद नहीं करते बल्कि अपने बिस्तारों पर पड़े चिल्लाते हैं। वह अनाज और

मय के लिये तो जमा' हो जाते हैं पर मुझ से बागी रहते हैं।

15 अगरचे मैंने उनकी तरबियत की और उनको ताकतवर बाजू किया तोभी वह मेरे हक़ में बुरे खयाल करते हैं।

16 वह रुजू' होते हैं पर हक़ ताला की तरफ़ नहीं। वह दगा देने वाली कमान की तरह हैं। उनके उमरा अपनी ज़बान की गुस्ताखी की वजह से बर्बाद होंगे। इससे मुल्क — ए — मिस्र में उनकी हँसी होगी।

8

???????? ? ? ???? ? ? ???? ? ?

1 तुरही अपने मुँह से लगा! वह 'उक्काब की तरह खुदावन्द के घर पर टूट पड़ा है, क्योंकि उन्होंने मेरे अहद से तजावुज़ किया और मेरी शरी'अत के खिलाफ़ चले।

2 वह मुझे यूँ पुकारते हैं कि ऐ हमारे खुदा, हम बनी — इस्राईल तुझे पहचानते हैं।

3 इस्राईल ने भलाई को छोड़ दिया, दुश्मन उसका पीछा करेंगे।

4 उन्होंने बादशाह मुकर्रर किए लेकिन मेरी तरफ़ से नहीं। उन्होंने उमरा को ठहराया है और मैंने उनको न जाना। उन्होंने अपने सोने चाँदी से बुत बनाए ताकि बर्बाद हों।

5 ऐ सामरिया, तेरा बछड़ा मरदूद है। मेरा क्रहर उन पर भड़का है। वह कब तक गुनाह से पाक न होंगे।

6 क्योंकि ये भी इस्राईल ही की करतूत है। कारीगर ने उसको बनाया है। वह खुदा नहीं। सामरिया का बछड़ा यक्रीनन टुकड़े — टुकड़े किया जाएगा।

7 बेशक उन्होंने हवा बोई। वह गर्दबाद काटेंगे, न उसमें डंठल निकलेगा न उसकी बालों से गल्ला पैदा होगा और अगर पैदा हो भी तो अजनबी उसे चट कर जाएँगे।

8 इस्राईल निगला गया। अब वह क़ौमों के बीच ना पसंदीदा बर्तन की तरह होंगे।

9 क्यूँकि वह तन्हा गोरखर की तरह असूर को चले गए हैं। इफ्राईम ने उजरत पर यार बुलाए।

10 अगरचे उन्होंने क्रौमों को उजरत दी है तो भी अब मैं उनको जमा' करूँगा और वह बादशाह — ओ — उमरा के बोझ से गमगीन होंगे।

11 चूँकि इफ्राईम ने गुनहगारी के लिए बहुत सी कुर्बानगाहें बनायीं इसलिए वह कुर्बानगाहें उसकी गुनहगारी का ज़रिया' हुई।

12 अगरचे मैंने अपनी शरी'अत के अहकाम को उनके लिए हज़ारों बार लिखा, लेकिन वह उनको अजनबी ख्याल करते हैं।

13 वह मेरे तोहफ़ों की कुर्बानियों के लिए गोशत पेश करते और खाते हैं, लेकिन खुदावन्द उनको कुबूल नहीं करता। अब वह उनकी बदकिरदारी की याद करेगा और उनको उनके गुनाहों की सज़ा देगा। वह मिस्र को वापस जाएँगे।

14 इस्राईल ने अपने खालिक को फ़रामोश करके बुतखाने बनाए हैं और यहूदाह ने बहुत से हसीन शहर ता'मीर किए हैं, लेकिन मैं उसके शहरों पर आग भेजूँगा और वह उनके कस्रों को भसम कर देगी।

9

????? ? ? ? ? ? ? ? ? ? ? ? ? ? ? ? ? ?

1 ऐ इस्राईल, दूसरी क्रौमों की तरह खुशी — ओ — शादमानी न कर, क्यूँकि तू ने अपने खुदा से बेवफ़ाई की है। तूने हर एक खलीहान में इश्क से उजरत तलाश की है।

2 खलीहान और मय के हौज़ उनकी परवरिश के लिए काफ़ी न होंगे और नई मय किफ़ायत न करेगी।

3 वह खुदावन्द के मुल्क में न बसेंगे, बल्कि इफ्राईम मिस्र को वापस जाएगा और वह असूर में नापाक चीज़ें खाएँगे।

4 वह मय को खुदावन्द के लिए न तपाएँगे और वह उसके मक़बूल न होंगे, उनकी कुर्बानियाँ उनके लिए नौहागरों की रोटी की तरह होंगी। उनको खाने वाले नापाक होंगे, क्योंकि उनकी रोटियाँ उन ही की भूक के लिए होंगी और खुदावन्द के घर में दाख़िल न होंगी।

5 मजमा' — ए — मुक़द्दस के दिन और खुदावन्द की 'ईद के दिन क्या करोगे?

6 क्योंकि वो तबाही के ख़ौफ़ से चले गए, लेकिन मिस्र उनको समेटेगा। मोफ़ उनको दफ़न करेगा। उनकी चाँदी के अच्छे खज़ानों पर बिच्छू बूटी क़ाबिज़ होगी। उनके खेमों में काँटे उगेंगे।

7 सज़ा के दिन आ गए, बदले का वक़्त आ पहुँचा। इस्राईल को मा'लूम हो जाएगा कि उसकी बदकिरदारी की कसरत और 'अदावत की ज़्यादती के ज़रिए' नबी बेवकूफ़ है। रूहानी आदमी दीवाना है।

8 इफ़्राईम मेरे खुदा की तरफ़ से निगहबान है। नबी अपनी तमाम राहों में चिड़ीमार का जाल है। वह अपने खुदा के घर में 'अदावत है।

9 उन्होंने अपने आप को निहायत ख़राब किया जैसा जिब'आ के दिनों में हुआ था। वह उनकी बदकिरदारी को याद करेगा और उनके गुनाहों की सज़ा देगा।

10 मैंने इस्राईल को बियाबानी अंगूरों की तरह पाया। तुम्हारे बाप — दादा को अंजीर के पहले पक्के फल की तरह देखा जो दरख़्त के पहले मौसम में लगा हो, लेकिन वह बा'ल फ़गूर के पास गए और अपने आप को उस ज़रिए' रुस्वाई के लिए मख़सूस किया और अपने उस महबूब की तरह मकरूह हुए।

11 अहल — ए — इफ़्राईम की शौकत परिन्दे की तरह उड़ जाएगी, विलादत — ओ — हामिला का बुजूद उनमें न होगा और करार — ए — हमल ख़त्म हो जाएगा।

12 अगरचे वह अपने बच्चों को पालें, तोभी मैं उनको छीन लूँगा, ताकि कोई आदमी बाकी न रहे। क्योंकि जब मैं भी उनसे दूर हो जाऊँ, तो उनकी हालत क्राबिल — ए — अफ़सोस होगी।

13 इफ़्राईम को मैं देखता हूँ कि वो सूर की तरह उम्दा जगह में लगाया गया, लेकिन इफ़्राईम अपने बच्चों को क्रातिल के सामने ले जाएगा।

14 ऐ खुदावन्द, उनको दे; तू उनको क्या देगा? उनको इस्कात — ए — हमल और खुशक पिस्तान दे।

15 उनकी सारी शरारत जिल्जाल में है। हाँ, वहाँ मैंने उनसे नफ़रत की। उनकी बदआ'माली की वजह से मैं उनको अपने घर से निकाल दूँगा और फिर उनसे मुहब्बत न रखूँगा। उनके सब उमरा बागी हैं।

16 बनी इफ़्राईम तबाह हो गए। उनकी जड़ सूख गई। उनके यहाँ औलाद न होगी और अगर औलाद हो भी तो मैं उनके प्यारे बच्चों को हलाक करूँगा।

17 मेरा खुदा उनको छोड़ देगा, क्योंकि वो उसके सुनने वाले नहीं हुए और वह अक्रवाम — ए — 'आलम में आवारा फिरेंगे।

10

???????? ? ? ? ? ? ? ? ? ? ? ? ? ? ? ? ? ? ?

1 इस्राईल लहलहाती ताक है जिसमें फल लगा, जिसने अपने फल की कसरत के मुताबिक बहुत सी कुर्बानगाहें ता'मीर की और अपनी ज़मीन की खूबी के मुताबिक अच्छे अच्छे सुतून बनाए।

2 उनका दिल दगाबाज़ है। अब वह मुजरिम ठहरेंगे। वह उनके मज़बहों को ढाएगा और उनके सुतूनों को तोड़ेगा।

3 यक्रीनन अब वह कहेंगे, हमारा कोई बादशाह नहीं क्योंकि जब हम खुदावन्द से नहीं डरते तो बादशाह हमारे लिए क्या कर सकता है?

4 उनकी बातें बेकार हैं। वह 'अहद — ओ — पैमान में झूटी कसम खाते हैं। इसलिए बला ऐसी फूट निकलेगी जैसे खेत की रेघारियों में इन्द्रायन।

5 बैतआवन की बछियों की वजह से सामरिया के रहने वाले खौफ़ज़दा होंगे, क्योंकि वहाँ के लोग उस पर मातम करेंगे, और वहाँ के काहिन भी जो उसकी पहले की शौकत की वजह से शादमान थे।

6 इसको भी असूर में ले जाकर, उस मुखालिफ़ बादशाह की नज़र करेंगे। इफ़्राईम शर्मिन्दगी उठाएगा और इस्राईल अपनी मश्वरत से शर्मिन्दा होगा।

7 सामरिया का बादशाह कट गया है, वह पानी पर तैरती शाख़ की तरह है।

8 और आवन के ऊँचे मक़ाम, जो इस्राईल का गुनाह हैं, बर्बाद किए जाएँगे; और उनके मज़बहों पर काँटे और ऊँट कटारे उगेंगे और वह पहाड़ों से कहेंगे, हम को छिपा लो, और टीलों से कहेंगे, हम पर आ गिरो।

9 ऐ इस्राईल, तू जिब'आ के दिनों से गुनाह करता आया है। वो वहीं ठहरे रहे, ताकि लडाई जिब'आ में बदकिरदारों की नस्ल तक न पहुँचे।

10 मैं जब चाहूँ उनको सज़ा दूँगा और जब मैं उनके दो गुनाहों की सज़ा दूँगा तो लोग उन पर हुज़ूम करेंगे।

11 इफ़्राईम सधाई हुई बछिया है, जो दाओना पसन्द करती है, और मैंने उसकी खुशनुमा गर्दन की दरेग किया लेकिन मैं इफ़्राईम पर सवार बिठाऊँगा। यहूदाह हल चलाएगा और या'कूब ढेले तोड़ेगा।

12 अपने लिए सच्चाई से बीज बोया करो। शफ़क़त से फ़स्ल काटो और अपनी उफ़तादा ज़मीन में हल चलाओ, क्योंकि अब मौक़ा' है कि तुम खुदावन्द के तालिब हो, ताकि वह आए और

रास्ती को तुम पर बरसाए।

13 तुम ने शरारत का हल चलाया। बदकिरदारी की फ़सल काटी और झूट का फल खाया, क्योंकि तू ने अपने चाल चलन में अपने बहादुरों के अम्बोह पर तकिया किया।

14 इसलिए तेरे लोगों के खिलाफ़ हंगामा खड़ा होगा, और तेरे सब किले' ढा दिए जाएँगे, जिस तरह शल्मन ने लडाई के दिन बैत अर्बेल को ढा दिया था; जब कि माँ अपने बच्चों के साथ टुकड़े — टुकड़े हो गई।

15 तुम्हारी बेनिहायत शरारत की वजह से बैतएल में तुम्हारा यही हाल होगा। शाह — ए — इस्राईल अलस् सबाह बिल्कुल फ़ना हो जाएगा।

11

?????? ?? ?????????? ?? ?????? ??????????

1 जब इस्राईल अभी बच्चा ही था, मैंने उससे मुहब्बत रखी, और अपने बेटे को मिस्र से बुलाया।

2 उन्होंने जिस क्रद्र उनको बुलाया, उसी क्रद्र वह दूर होते गए; उन्होंने बा'लीम के लिए कुर्बानियाँ पेश कीं और तराशी हुई मूरतों के लिए खुशबू जलाया।

3 मैंने बनी इफ़्राईम को चलना सिखाया; मैंने उनको गोद में उठाया, लेकिन उन्होंने न जाना कि मैं ही ने उनको सेहत बरख़्शी।

4 मैंने उनको इंसानी रिश्तों और मुहब्बत की डोरियों से खींचा; मैं उनके हक्र में उनकी गर्दन पर से जूआ उतारने वालों की तरह हुआ, और मैंने उनके आगे खाना रखा।

5 वह फिर मुल्क — ए — मिस्र में न जाएँगे, बल्कि असूर उनका बादशाह होगा; क्योंकि वह वापस आने से इन्कार करते हैं।

6 तलवार उनके शहरों पर आ पड़ेगी, और उनके अडबंगों को खा जाएगी और ये उन ही की मश्वरत का नतीजा होगा।

7 क्यूँकि मेरे लोग मुझ से नाफ़रमानी पर आमादा हैं, बावुजूद ये कि उन्होंने उनको बुलाया कि हक़ ता'ला की तरफ़ रुजू' लाए; लेकिन किसी ने न चाहा कि उसकी इबादत करें।

8 ऐ इफ़्राईम, मैं तुझे से क्यूँकर दस्तबरदार हो जाऊँ? ऐ इस्राईल, मैं तुझे क्यूँकर तर्क करूँ? मैं क्यूँकर तुझे अदमा की तरह बनाऊँ? और ज़िबू'ईम तरह बनाऊँ मेरा दिल मुझ में पेच खाता है; मेरी शफ़क़त मौजज़न है।

9 मैं अपने क्रहर की शिदत के मुताबिक़ 'अमल नहीं करूँगा, मैं हरगिज़ इफ़्राईम को हलाक न करूँगा; क्यूँकि मैं इंसान नहीं, खुदा हूँ। तेरे बीच सुकूनत करने वाला कुदूस, और मैं क्रहर के साथ नहीं आऊँगा।

10 वह खुदावन्द की पैरवी करेंगे, जो शेर — ए — बबर की तरह गरजेगा, क्यूँकि वह गरजेगा, और उसके फ़र्ज़न्द मगरिब की तरफ़ से काँपते हुए आएँगे।

11 वह मिस्र से परिन्दे की तरह, और असूर के मुल्क से कबूतर की तरह काँपते हुए आएँगे; और मैं उनको उनके घरों में बसाऊँगा, खुदावन्द फ़रमाता है।

12 इफ़्राईम ने दरोगगोई से और इस्राईल के घराने ने मक्कारी से मुझ को घेरा है, लेकिन यहूदाह अब तक खुदा के साथ हाँ उस कुदूस वफ़ादार के साथ हुक्मरान हैं।

12

1 इफ़्राईम हवा चरता है; वह पूरबी हवा के पीछे दौड़ता है। वह मुत्वातिर झूट पर झूट बोलता, और जुल्म करता है। वह असूरियों से 'अहद — ओ — पैमान करते, और मिस्र को तेल भेजते हैं।

2 खुदावन्द का यहूदाह के साथ भी झगडा है, और या'कूब को चाल चलन के मुताबिक़ उसकी सज़ा देगा; और उसके आ'माल के मुवाफ़िक़ उसका बदला देगा।

3 उसने रिहम में अपने भाई की एड़ी पकड़ी, और वह अपनी जवानी के दिनों में खुदा से कुशती लड़ा।

4 हाँ, वह फ़रिश्ते से कुशती लड़ा और ग़ालिब आया। उसने रोकर दुआ की। उसने उसे बैतएल में पाया और वहाँ वह हम से हम कलाम हुआ

5 या'नी खुदावन्द रब्ब — उल — अफ़वाज, यहोवा उसकी यादगार है:

6 “अब तू अपने खुदा की तरफ़ रुजू' ला; नेकी और रास्ती पर काईम, और हमेशा अपने खुदा का उम्मीदवार रह।”

7 वह सौदागर है, और दगा की तराजू उसके हाथ में है; वह जुल्म दोस्त है।

8 इफ़्राईम तो कहता है, 'मैं दौलतमंद और मैंने बहुत सा माल हासिल किया है। मेरी सारी कमाई में बदकिरदारी का गुनाह न पाएँगे।

9 लेकिन मैं मुल्क — ए — मिस्र से खुदावन्द तेरा खुदा हूँ; मैं फिर तुझ को 'ईद — ए — मुक़द्दस के दिनों के दस्तूर पर ख़ेर्मा में बसाऊंगा।

10 मैंने तो नबियों से कलाम किया; और रोया पर रोया दिखाई, और नबियों के वसील से तशबिहात इस्तेमाल कीं।

11 यक़ीनन जिलआ'द में बदकिरदारी है, वो बिल्कुल बतालत हैं; वो जिल्लाल में बैल कुर्बान करते हैं, उनकी कुर्बानगाहे खेत की रेखारियों पर के तूदों की तरह हैं।

12 और याक़ूब अराम की ज़मीन को भाग गया; इस्राईल बीवी के खातिर नौकर बना, उसने बीवी की खातिर चरवाही की।

13 एक नबी के वसीले से खुदावन्द इस्राईल को मिस्र से निकाल लाया और नबी ही के वसीले से वह महफूज़ रहा।

14 इफ़्राईम ने बड़े सख्त ग़ज़बअंगेज़ काम किए; इसलिए उसका खून उसी की गर्दन पर होगा और उसका खुदावन्द उसकी

मलामत उसी के सिर पर लाएगा ।

13

□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□□□□

1 इफ्राईम के कलाम में खौफ़ था, वह इस्राईल के बीच सरफ़राज़ किया गया; लेकिन बा'ल की वजह से गुनहगार होकर फ़ना हो गया ।

2 और अब वह गुनाह पर गुनाह करते हैं, उन्होंने अपने लिए चाँदी की ढाली हुई मुरते बनाई और अपनी समझ के मुताबिक़ बुत तैयार किए जो सब के सब कारीगरों का काम हैं । वो उनके बारे कहते हैं, “जो लोग कुर्बानी पेश करते हैं, बछ्छड़ों को चूमें!”

3 इसलिए वह सुबह के बादल और शबनम की तरह जल्द जाते रहेंगे, और भूसी की तरह, जिसको बगोला खलीहान पर से उड़ा ले जाता है, और उस धुवें की तरह जो दूदकश से निकलता है ।

4 लेकिन मैं मुल्क — ए — मिस्र ही से, खुदावन्द तेरा खुदा हूँ और मेरे अलावा तू किसी मा'बूद को नहीं जानता था, क्योंकि मेरे अलावा कोई और नजात देने वाला नहीं है ।

5 मैंने बियाबान में, या'नी खुश्क ज़मीन में तेरी ख़बर गीरी की ।

6 वह अपनी चरागाहों में सेर हुए, और सेर होकर उनके दिल में घमंड समाया और मुझे भूल गए ।

7 इसलिए मैं उनके लिए शेर — ए — बबर की तरह हुआ; चीते की तरह राह में उनकी घात में बैठूँगा ।

8 मैं उस रीछनी की तरह जिसके बच्चे छिन गए हों, उनसे दो चार हूँगा, और उनके दिल का पर्दा चाक करके शेर — ए — बबर की तरह, उनको वही निगल जाऊँगा; जंगली जानवर उनको फाड़ डालेंगे ।

9 ऐ इस्राईल, यही तेरी हलाकत है कि तू मेरा यानी अपने मदद गार का मुख़ालिफ़ बना ।

10 अब तेरा बादशाह कहाँ है कि तुझे तेरे सब शहरों में बचाए और तेरे क्राज़ी कहाँ हैं जिनके बारे तू कहता था कि मुझे बादशाह और उमरा इनायत कर?

11 मैंने अपने क्रहर में तुझे बादशाह दिया, और गज़ब से उसे उठा लिया।

12 इफ्राईम की बदकिरदारी बाँध रखी गई, और उसके गुनाह ज़खीरे में जमा' किए गए।

13 वह जैसे दर्द — ए — ज़िह में मुब्लिला होगा, वो बे अक़ल फ़र्ज़न्द है; अब मुनासिब है कि पैदाइश की जगह में देर न करे।

14 मैं उनको पाताल के क्राबू से नजात दूँगा; मैं उनकी मौत से छुड़ाऊँगा। ऐ मौत तेरी वबा कहाँ है? ऐ पाताल तेरी हलाकत कहाँ है? मैं हरगिज़ रहम न करूँगा।

15 अगरचे वह अपने भाइयों में कामियाब हो, तोभी पूरबी हवा आएगी; खुदावन्द का दम बियाबान से आएगा, और उसका सोता सूख जाएगा, और उसका चश्मा खुश्क हो जाएगा। वह सब पसंदीदा बर्तनों का खज़ाना लूट लेगा।

16 सामरिया अपने जुर्म की सज़ा पाएगा, क्योंकि उसने अपने खुदा से बगावत की है; वह तलवार से गिर जाएँगे। उनके बच्चे पारा — पारा होंगे और हामला 'औरतों के पेट चाक किए जाएँगे।

14

???? ???? ???? ?? ???? ??????

1 ऐ इस्राईल, खुदावन्द अपने खुदा की तरफ़ रुजू' ला, क्योंकि तू अपनी बदकिरदारी की वजह से गिर गया है।

2 कलाम लेकर खुदावन्द की तरफ़ रुजू लाओ, और कहो, हमारी तमाम बदकिरदारी को दूर कर, और फ़ज़ल से हम को कुबूल फ़रमा; तब हम अपने लबों से कुर्बानियाँ पेश करेंगे।

3 असूर हम को नहीं बचाएगा; हम घोड़ों पर सवार नहीं होंगे; और अपनी दस्तकारी को खुदा न कहेंगे क्योंकि यतीमों पर रहम करने वाला तू ही है।

4 मैं उनकी नाफ़रमानी का चारा करूँगा; मैं कुशादा दिली से उनसे मुहब्बत रखूँगा, क्योंकि मेरा क्रहर उन पर से टल गया है।

5 मैं इस्राईल के लिए ओस की तरह हूँगा; वह सोसन की तरह फूलेगा, और लुबनान की तरह अपनी जड़ें फैलाएगा;

6 उसकी डालियाँ फैलेंगी, और उसमें ज़ैतून के दरख्त की खूबसूरती और लुबनान की सी खुशबू होगी।

7 उसके मातहत में रहने वाले कामियाब हो जाएँगे; वह गेहूँ की तरह तर — ओ — ताज़ा और ताक की तरह शिगुफ़ता होंगे। उनकी शुहरत लुबनान की मय की सी होगी।

8 इफ़्राईम कहेगा, अब मुझे बुतों से क्या काम?' मैं खुदावन्द ने उसकी सुनी है, और उस पर निगाह करूँगा। मैं सर सबज़ सरो की तरह हूँ, तू मुझ ही से कामयाब हुआ।

9 'अक्लमन्द कौन है कि वह ये बातें समझे और समझदार कौन है जो इनको जाने? क्योंकि खुदावन्द की राहें रास्त हैं और सादिक उनमें चलेंगे; लेकिन ख़ताकर उनमें गिर पड़ेंगे।

इंडियन रिवाइज्ड वर्जन (IRV) उर्दू - 2019
The Holy Bible in the Urdu language of India: इंडियन
रिवाइज्ड वर्जन (IRV) उर्दू - 2019

copyright © 2019 Bridge Connectivity Solutions Pvt. Ltd.

Language: اردو (Urdu)

Contributor: Bridge Connectivity Solutions Pvt. Ltd.

This translation is made available to you under the terms of the Creative Commons Attribution Share-Alike license 4.0.

You have permission to share and redistribute this Bible translation in any format and to make reasonable revisions and adaptations of this translation, provided that:

You include the above copyright and source information.

If you make any changes to the text, you must indicate that you did so in a way that makes it clear that the original licensor is not necessarily endorsing your changes.

If you redistribute this text, you must distribute your contributions under the same license as the original.

Pictures included with Scriptures and other documents on this site are licensed just for use with those Scriptures and documents. For other uses, please contact the respective copyright owners.

Note that in addition to the rules above, revising and adapting God's Word involves a great responsibility to be true to God's Word. See Revelation 22:18-19.

2023-01-03

PDF generated using Haiola and XeLaTeX on 18 Apr 2025 from source files dated 19 Apr 2023

4a2fe4e0-ffe8-5377-87c7-19b3106ba2bc